मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2021-23 /R.N.I. No. 2022007062

क्या अब आदिवासी पर पेशाब करने से विश्वगुरु बनेगा देश? 2
जाम सीवर और नाले दे रहे करोड़ों रुपये डकारे जाने की गवाही 4
चंद्रयान बनाने वाले मज़दूरों को 17 महीने से वेतन नहीं 5
'प्रथम सम्मलेन' को सफल बनाओ! 6
बाढ़ पीड़ितों का भोजन समाजसेवा के भरोसे 8

वर्ष 37 | अंक -51 | फरीदाबाद | 23-29 जुलाई 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

चोर डी सुरेश भी मचाए शोर

अपने समर्थन में अन्य चोरों को भी एकजुट करने का प्रयास

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

28 साल से हरियाणा काडर के आईएएस अधिकारी डी सुरेश लूट मार के रिकॉर्ड तोड़ने में जुटे रहे हैं। फरीदाबाद में बतौर एडमिनिस्ट्रेटर 'हूडा' तथा निगमायुक्त रहते हुए इन्होंने लूट मार के मामलों में अपने अच्छे जौहर दिखाए थे। सोने पर सुहागे वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए मंडलायुक्त गुड़गांवां होते हुए भी उन्होंने एमसीएफ से जुड़े कई मामलों में लेनदेन के तगड़े कारनामे किए थे। शहर गुड़गांवां में भी जमीनों से संबंधित कई घोटालों का श्रेय इनके नाम जाता है।

दरअसल बेखौफ तरीके से काले कारनामे करने में इनकी महारत को देखते हुए सीएम खट्टर ने भी इनसे कुछ काम करवाए थे तो लगे हाथ इन्होंने कई काम अपने भी कर डाले। यह सब करते वक़्त सुरेश ने यह कभी सोचा नहीं था कि शत्रुजीत कपूर नाम का कोई पुलिस अफसर उनकी गर्दन नापने भी आ सकता है और जब कपूर ने न केवल गर्दन नाप दी बल्कि शिकंजा कस दिया तो अब इनको आईएएस एसोसिएशन याद आ गई! हालांकि एसोसिएशन की शरण में जाने से पूर्व इन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की शरण भी मांगी थी लेकिन हाईकोर्ट ने पूरा मामला जांचने परखने के बाद डायरेक्टर विजिलेंस शत्रुजीत कपूर को हरी झंडी दिखा दी।

सुरेश बार-बार अपने परिवार की सुरक्षा की भी गुहार लगाते हुए उसकी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सुरेश की पत्नी एक स्पोर्ट्स चैनल चला रही हैं जिसका कार्यालय आदि गुड़गांवां में स्थित है। विदित है कि जिस तरह का वह चैनल है उसमें एक से डेढ़ करोड़ रुपये का मासिक खर्चा आता है और यह खर्चा बीते करीब पांच साल से चल रहा है। कपूर के निर्देशन में जब विजिलेंस अधिकारियों की टीम इस चैनल में पूछ-पड़ताल करने पहुंची तो सुरेश की पत्नी ने अपने आईएएस पति का रौब उन पर गांठने का प्रयास किया। विजिलेंस अधिकारी तो केवल उनसे कुछ आवश्यक दस्तावेजों की ही मांग कर रहे थे लेकिन आईएएस अधिकारी की उस पत्नी को कैसे गवारा हो सकता था कि कोई पुलिस वाला उनके दफ्तर में घुस आए और दस्तावेज मांगे? इस मामले को लेकर सुरेश की पत्नी ने गुड़गांवां पुलिस में विजिलेंस वालों को खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का असफल प्रयास भी किया था। इसी मामले को लेकर सुरेश अपने परिवार को पुलिस वालों से ही खतरा बता कर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। गजब की बात है न, अब सुरेश से कोई यह पूछे कि जब पुलिस से खतरा है तो क्या कोई फौज लगाए उनके घर पर?

डी सुरेश : चोरी करना मेरा अधिकार है

शत्रुजीत कपूर : चोर बख्शे नहीं जायेंगे

यूं तो डी सुरेश के काले कारनामों की सूची बहुत लंबी है लेकिन मौजूदा मामला गुड़गांवां के उस स्प्रिंगडेल स्कूल को लेकर विजिलेंस द्वारा दर्ज किया गया है जिसमें उन्होंने काफी मोटा घपला कर डाला था। यह कांड सुरेश ने बतौर मुख्य प्रशासक हूडा के किया था। सोसायटी ने डेढ़ एकड़ का प्लॉट मांगा था जो कि उपलब्ध नहीं था। उसके बाद एक एकड़ का प्लॉट देने की कार्रवाई चलाई गई थी, जिसे कि तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव ने रद्द कर दिया था, इस रद्द किए हुए आदेश को पुनर्जीवित करने के लिए एक गोलमोल न्यायिक आदेश लिया गया। इसके बाद एक एकड़ के उस प्लॉट को डेढ़ का बनाने के लिए बगल में पोस्ट एंड टेलीग्राफ वालों के लिए छोड़ी गई आधा एकड़ जमीन को भी मिला दिया गया।

इस अलॉटमेंट में जमीन का भाव भी वही लगा दिया गया जो कई बरस पहले तय हुआ था जबकि नए भाव कई गुना ऊंचे हो चुके थे। इस अलॉटमेंट में दूसरी बड़ी गंभीर अनियिमितता यह थी कि उक्त स्कूल की सोसायटी से संबंधित कोई बाईलॉज़ नियम क़ायदे आदि भी फाइल पर नहीं लगे हुए थे, यानी कि टोटल फ़र्ज़ीवाड़ा किया गया था। जब इस घोटाले की भनक विजिलेंस वालों को लगी तो उन्होंने नियमानुसार बाक़ायदा मुख्य सचिव से इजाज़त लेकर मुक़दमा दर्ज करके कार्रवाई की शुरूआत की थी। कार्रवाई के दौरान ज्यों-ज्यों पुख्ता सुबूत इकट्ठा होते चले गए सुरेश का गला घुटता चला गया।

सुरेश अपने पक्ष में अपनी 28 वर्ष की आईएएस सेवा का बखान कर रहे हैं। ठीक है, परीक्षा पास करके वे आईएएस हो गए लेकिन इसके द्वारा उन्हें क़ानून-क़ायदों को ताक पर रखते हुए लूट मार करने का अधिकार तो नहीं मिल गया। यदि वे वाकई पाक साफ हैं तो जांच हो जाने दीजिए, मुकदमा चल लेने दीजिए, देश भर में लाखों करोड़ों लोग आए दिन मुकदमे झेल रहे हैं। बेगुनाह बरी भी हो रहे हैं और गुनाहगार सजा भी पा रहे हैं, प्रशासनिक सेवा का हिस्सा होते हुए वे खुद भी यही सब करते रहे हैं। अब अपने पर आई है तो स्पेशल ट्रीटमेंट क्यों चाहते हैं?

हरियाणा के आईएएस काडर में बेशक भ्रष्ट अधिकारियों की कोई कमी नहीं है, इसके बावजूद आधे से अधिक अफसर ईमानदार एवं साफ-सुथरी छवि रखते हैं। बज़ात-ए-खुद एसोसिएशन के प्रधान एवं मुख्य सचिव संजीव कौशल एक बेहतरीन एवं ईमानदार छवि के अधिकारी हैं, ऐसे में तमाम ईमानदार अधिकारी अपने आप को सुरेश जैसे चोरों के साथ खड़े होने से बचाएं वरना वे भी चोरों की मंडली में शामिल समझे जाएंगे।

टैक्स विभाग के संरक्षण में करते थे चोरी

सीएम फ्लाइंग ने जीएसटी चोरों से वसूला 8 लाख जुर्माना

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) सीएम फ्लाइंग स्क्वाड के डीएसपी राजेश चेची लगातार छापेमारी करके उन अवैध धंधों को पकड़ने में जुटे हैं, जिन्हें पकड़ने का दायित्व सरकार के विभिन्न महकमों का है। इसके बावजूद किसी भी महकमे के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। वे अपनी काली कमाई के लिये लगातार अवैध धंधों को प्रात्साहित करने में जुटे हैं।

इसी सप्ताह डीएसपी चेची द्वारा एएसआई महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने पलवल ज़िले के थाना मुंडकटी क्षेत्र में उन दो ट्रकों को पकड़ा जो दिल्ली से मथुरा की ओर अवैध ढंग से यानी कि बिना बिल पर्चे के परचून का सामान ले जा रहे थे।

दस्तावेजों की पूरी जांच-पड़ताल करने पर तम्बाकू मसाला व कई अन्य वस्तुयें पकड़ में आईं, जिनको बिना जीएसटी अदा किये ले जाया जा रहा था। मौके पर ही दोनों ट्रकों पर करीब आठ लाख का जुर्माना लगा कर वसूली कर ली गई। बेशक इस चोरी को पकड़ा तो पुलिस वालों ने ही है लेकिन टैक्स का हिसाब-किताब करके जुर्माना लगाने के लिये इस टीम में एक एईटीओ को भी रखा गया था।

खबर ये नही है कि सीएम फ्लाइंग ने आठ लाख की टैक्स चोरी पकड़ी। खबर यह बनती है कि टैक्सेशन का इतना बड़ा महकमा जिसमें दर्जनों डीईटीसी, ईटीओ, एईटीओ और इंस्पेक्टर व अन्य स्टाफ के साथ-साथ वाहनों का बड़ा काफिला सरकार ने दे रखा है, वह कर क्या रहा है? क्या इस महकमे का काम केवल टैक्स चोरों से काली कमाई करना मात्र रह गया है? विदित है कि बीते दिनों विजिलेंस वालों ने सैकड़ों करोड़ का टैक्स घोटाला पकड़ा था जिसमें महकमे के वरिष्ठतम अधिकारी संलिप्त थे।

यदि सरकार नाम की कोई चीज़ इस राज्य में सक्रिय है और उसकी इस काली कमाई में हिस्सेदारी नहीं है तो उसे इस तरह के मामलों में उन कराधान अधिकारियों को नापना चाहिये था जिनके इलाके से ये टैक्स चोर निकल कर मुंडकटी थाने तक पहुंच पाये। विदित है कि ये टैक्स चोर ज़िला फ़रीदाबाद व पलवल के इलाकों को पार करते हुए यूपी में प्रवेश करने वाले थे। कोई भी फ्लाइंग स्क्वाड इस तरह के टैक्स चोरों को नियमित रूप से नहीं पकड़ सकता क्योंकि प्रतिदिन सैंकड़ों-हज़ारों टैक्स चोर इस काम में जुटे हैं। यही फार्मूला उन तमाम सरकारी महकमों के अफ़सरों पर भी लागू किया जाना चाहिये जिनके संरक्षण में चलने वाले अवैध धंधों को फ्लाइंग स्क्वाड वाले यदा-कदा पकड़ते रहते हैं।

राजेश चेची, डीएसपी सीएम फ्लाइंग

संदर्भवश सुधी पाठक जान लें कि फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा पकड़ा गया जीएसटी चोरी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले वर्ष 2022 में पकड़े 16 मामलों में 3,95,41,341 तथा 2023 में जीएसटी चोरी के तीन अन्य मामलों में 70,82,750 की वसूली जीएसटी चोरों से की गई थी। विदित है कि डीएसपी चेची के पास इस स्क्वाड में ड्राइवर,सिपाही, हवलदार व थानेदार मिला कर कुल 12 आदमियों का स्टाफ है। शर्म आनी चाहिए उन तमाम महकमों में बैठे अधिकारियों को जिनके लंबे चौड़े संसाधन होते हुए पुलिस का यह छोटा सा स्टाफ इतनी चोरियां पकड़ रहा है।